







# विद्यार्थी पढ़ाई के साथ साथ सीखेंगे मूर्तिकला का हुनर

हुनर

► १२वीं से १२वीं कक्षा के विद्यार्थी टाबर उत्सव के तहत किताबी ज्ञान के साथ साथ मूर्तिकला का हुनर सीखेंगे।

टीम एक्शन इंडिया

मनीष कुमार

**अम्बाला:** कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित टाबर उत्सव बन रहा है अरुणी पहल कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के हॉटेल कौशल, कला एवं सांस्कृतिक अधिकारी (मूर्तिकला) ने बताया कि जिताने के विभिन्न सरकारी स्कूलों के लगभग 40 से 50 विद्यार्थी सीखेंगे मूर्तिकला का अब स्कूलों के १२वीं से १२वीं कक्षा के विद्यार्थी टाबर उत्सव के तहत किताबी ज्ञान के साथ साथ मूर्तिकला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वह कार्यक्रम 30 जून तक सुबह 8 बजे से 11 बजे तक ग्राम्पालीन अवकाश के दौरान चलेगा। राजकीय वरिष्ठ मान्यमिक विद्यालय



में इस उत्सव के तहत बच्चों को मूर्तिकला का हुनर देना शुरू कर दिया गया है। यह प्रशिक्षण आधुनिक मूर्तिशल्प कले मॉडलिंग, रिलोफ एवं 3 डी प्रिंटिंग में हरियाणा संस्कृति पर आधारित दिया जाएगा। ग्राम्पालीन अवकाश के दौरान रचनात्मक/कलात्मक विकास करवाने के लिए यह प्रशिक्षण बच्चों के अधिकारी एवं विद्यार्थियों को मूर्तिकला के लिए यह प्रशिक्षण बच्चों और प्रोग्राम होने वाली समर्पी जैसे कारण दिल्ली होगा। जिला के

विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को एक स्थान पर एकत्रित कर मूर्तिकला का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थी भविष्य में कला प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के साथ गट्टीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मूर्ति शिक्षा प्रतियोगिताओं के बारे में भी जानेंगे। इस शिविर में प्रशिक्षण देने वाले कलाकारों द्वारा कला संस्कृति तथा मूर्तिकला के उत्त्यन संरक्षण, संवर्धन एवं विकास हेतु कला को निखारा जाएगा जिससे विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकेंगे।

कले, पीओपी (अन्य माध्यम) व सामग्री आदि से लघु मूर्तिशिल्पों को बना कर रोंगों से हुनर भी सिखाए जाएंगे। जिससे भविष्य में उनको मूर्तिकला के क्षेत्र में विद्यार्थी के दौरान बनाए की भी ज्ञान मिलेगा। रोंगार एवं मूर्तिकला के क्षेत्र में करियर बनाए की भी ज्ञान मिलेगा। विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों को मूर्तिकला के लिए यह प्रशिक्षण बच्चों के अधिकारी एवं विद्यार्थियों को मूर्तिकला में खारेंगा किया जाएगा और प्रोग्राम होने वाली समर्पी जैसे

जिला में आधुनिक मूर्तिकला के प्रचार-प्रसार हेतु यह शिविर अंत्यत धारा तुलकी के लिए यह प्रशिक्षण माध्यम में जैसे धारा तुलकी, पथर, पीओपी, टैरोकोटा, कांच, वैलिंग, सिरामिक, असेम्बलेज आदि माध्यमों से भी अवगत करवाया जाएगा। कक्षाओं को प्रयोगात्मक व रोचक बनाने के लिए लाइब्रेरी मोडल डैमो से भी कार्य करवाया जाएगा। जिला के लगभग 40 महीने हेतु निःशुल्क भाग ले ते सकते हैं।

मूर्तिशल्प एक मात्र ऐसा विषय है जिसमें सभी विषयों का अध्ययन एक साथ हो जाता है। शारिरिक, मानसिक एवं बौद्धिक ज्ञान की

स्नौचिंग के मामले में दो

आरोपी गिरफ्तार



## गर्मी में फैलने वाली छीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतें



टीम एक्शन इंडिया

मनीष कुमार

**अम्बाला:** अम्बाला के डीसी डॉ. शालीन ने कहा है कि गर्मी के मौसम के दौरान फैलने वाली छीमारियों से बचाव के लिए सावधानी रखनी चाही रही है। लापरवाही के चलते डेंगू चिकन्हानिया और मलेरिया जैसी बीमारी भी खरांकन का सावित हो सकती है। साफ वातावरण बेहद जरूरी है। इसलिए सभी को मिलकर सफाई का व्यवस्था की जाती है और उसके कारण भी लापरवाही के चलते डेंगू चिकन्हानिया और मलेरिया के कारण भी खरांकन का लाभ उठ रहा है। इसलिए सभी को मिलकर सफाई का व्यवस्था की जाती है और उसके कारण भी लापरवाही के चलते डेंगू चिकन्हानिया और मलेरिया के कारण भी खरांकन का लाभ उठ रहा है।

प्रयास करने चाहिए। जनजागरण बहुत कारगर होता है और लोगों को अपनी व अपने परिजनों के स्वास्थ्य के लिए आगे आना चाहिए। गर्मी के मौसम में बरसात होने से विभिन्न स्थानों पर पानी जमा हो जाता है और उसमें मच्छर पनाने लगते हैं। यही मच्छर डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी का कारण बनते हैं। इसलिए अपने आप सापों को एकत्रित ना किए भी लोगों का सहयोग हर क्षेत्र में जस्ती है। डीसी डॉ. शालीन ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा है कि सभी लोगों को मिलकर बीमारियों की रोकथाम के लिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। हालांकि प्रशासन की लिए

## मंत्री असीम गोयल लाभार्थियों को वितरित करेंगे हैप्पी कार्ड

टीम एक्शन इंडिया

मनीष कुमार

अम्बाला: प्रदेश

अम्बाला की महत्वपूर्णी

हरियाणा अंतोदय

परिवर्हन योजना

(हैप्पी)

के अंतर्गत

आज अम्बाला शहर

बस अड्डे पर पात्र

लाभार्थियों को कार्ड वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में बायोर्मल योगदान से विरहन मंत्री

असीम गोयल

मौजूद होंगे। कार्यक्रम

में हरियाणा के मुख्यमंत्री

नायब संहै सैनी के तहत

लाभार्थियों को कार्ड

वितरित किए गए थे।

जून को भी प्रेसेशनर में

हैप्पी योजना के तहत

लाभार्थियों को

वितरित किए गए थे।

उस दिन करनाल में

राज्यस्तरीय

कार्यक्रम

आयोजित किया गया

था। इस कार्यक्रम में

हरियाणा के

संस्कृति











## सोमाली सेना ने अल-शबाब के 47 आतंकवादियों को मार गिराया

**एजेंसी** सोमालिया। सोमालिया में सशस्त्र बलों ने देश के मध्य भाग में गलुगुड़ प्रांत में कट्टरपंथी आतंकवादी संगठन अल-शबाब के 47 आतंकवादियों को मार गिराया है। सोमाली समाचार पोर्टल मोगालिशु 24 ने सूचना मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि अल-शबाब के दौरान पांच सोमाली सैनिक मारे गए। उल्लेखनीय है कि अल-शबाब एक सोमालिया स्थित जिहादी आतंकवादी समूह है जो अल-कायदा आतंकवादी समूह से जुड़ा हुआ है। यह समूह सोमाली सरकार के खिलाफ सशस्त्र प्रतिवेद्ध छेड़ता है और अपने समूक राष्ट्र के मानवीय मिशनों में बाधा डालता है।

## ईरान ने इस्लामिक देशों से इजरायल के साथ सहयोग बंद करने का आग्रह किया

तेहरा। ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अली बद्रीनी ने कहा कि इस्लामिक देशों को इजरायल के साथ राजनीतिक एवं आर्थिक सहयोग बंद कर देना चाहिए और आतंक का बहिकार करना चाहिए। श्री बद्रीनी ने सीएनएन तुर्क बायोपार्टर के साथ एक साक्षात्कार में कहा, हमारी राय में इस्लामी देशों द्वारा की जाने वाली सभी प्रभावी पहल इजरायली शासन के साथ राजनीतिक और आर्थिक सहयोग बंद करना और इसके साथ सभी आयात और नियन्त्रित का बहिकार करना होगा।

## अदन की खाड़ी में फिर हुआ व्यापारिक जहाज पर हमला, हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले से जहाज में लगी आग

लंदन। ब्रिटिश सुरक्षा फर्म एंब्रे ने रविवार को दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ है। हमले के चलते जहाज में आग लग गई। हमला यमन से हुआ और इसके पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

मिसाइल हमले में जहाज पर लगी आग  
ब्रिटेन के मिसाइल ट्रेड एंपरिसेस (चर्स्ल्हॉड) ने बताया कि जहाज के कास्पियन से उत्तरी घटानों के माल वाले से सचिव किया। जहाज पर यमन के नजदीकी अदन से खाड़ी में दक्षिण पूर्व में 80 नाटिकल मील की दूरी पर हमला हुआ है। हूती विद्रोही बोते कई महीनों से लाल सागर, अदन की खाड़ी और अरब सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस्लाम द्वारा गाजा में हमले के खिलाफ और फलत्स्तीनों लोगों के समर्थन में हूती विद्रोही को अंजाम दे रहे हैं। सुरक्षा फर्म एंब्रे का कहना है कि जहाज से अलग रहे हैं। इस्लाम द्वारा हुआ, जिसके बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि जहाज के बाहर नहीं है। हमला यमन से हुआ और इसके पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

## किन की गंदी हरकत का दक्षिण कोरिया देगा जवाब, प्योंगयांग के विरोध में लाउडस्पीकर से करेगा प्रचार

सियोल। उत्तर कोरिया अभी तक दक्षिण कोरिया को मिसाइल और परमाणु बम की ही धमकी देता रहा है। लेकिन अब उत्तर कोरिया गंदी भी फैलाने लगा है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिणी कोरिया में कूड़ा-कच्चा चार्च-वालर 150 गुड्डों छोड़ दिए थे। इस पर दक्षिण कोरिया के नजदीकी अदन से खाड़ी में स्थानीय व्यापारिक जहाजों के लिए यमन से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह महत्वर्ण परिवर्तन अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के साथ शुरू हुआ।

बताया गया है कि इसके अलावा कुछ अमेरिकी सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गुरु टेस्टोनों पर फिर से लैकर पुनर्नियती तक बढ़ गई है। यह अमेरिकी बायु सेना के सी-17 रखोबमास्टर 3 के 7 जून 2024 को नियामी में हवाई अड्डा 100 से प्रस्थान के स



